आदमी का चेहरा — कुँवर नारायण

(1) 'केवल उसके नंबर से जाना जो उसकी लाल कमीज़ पर टँका होता।' कवि यहाँ किस सामाजिक सच्चाई की ओर इशारा करते हैं?

(2) 'आदमी का चेहरा' नामक कविता हमें क्या संदेश देता हैं?

(3) कवि रेलवे स्टेशन पहुँचा। अपने सामान उठाने केलिए 'कुली' पुकारा। एक आदमी उनके पास आकर खड़ा। उन दोनों के बीच का वार्तालाप कल्पना करके लिखें।

कवि : कुली.....कुली.....
कुली : जी, मैं यहाँ हुँ।
.....

(4) 'मेरे स्वाभिमान के दस कदम आगे बढ़ने लगा वह' – घर पहुँचकर कवि अपनी डायरी लिखता है। डायरी का वह पन्ना कल्पना करके लिखें।

11-10-2014 **सोमवार**

आज मैं दिल्ली जाने केलिए रेलवे स्टेशन पहुँचा। सामान लाने.....

(5) अपने सामान उठाकर आगे बढ़नेवाला कुली के दस कदम पीछे कवि चला। यह कुली के मन में गहरे चोट उत्पन्न किया। वह अपने डायरी में क्या लिखा होगा। कल्पना करके लिखें।

11-10-2014 **सोमवार**

आज का दिन मैं कैसे भूलूँ? सबेरे स्टेशन पहुँचा। भीड़ ज़्यादा कम था।.....

(6) 'आज अब अपना सामान खुद उठाया, एक आदमी का चेहरा याद आया' – कवि ने अपने उस दिन की डायरी में क्या लिखा होगा। कल्पना करके लिखें।

17-10-2014 **शनिवार**

एक हफ्ते की यात्रा के बाद फिर रेलवे स्टेशन पहुँचा। मन के पत्नी और बच्चे को देखने की इच्छा। सामान तो ज़्यादा था। बच्चों केलिए ज़्यादा सामग्री.....

(7) घर पहुँचकर कवि अपनी पत्नी से कुली के बारे में बातचीत कहते हैं। वह वार्तालाप कल्पना करके लिखें।

पत्नी : आप क्यों इतनी थकी हैं?
कवि : ज़रा पानी दो।
.....

(8) कई वर्ष बीत गए। कवि अपने आत्मकथा लिखने के बारे में सोचती हैं। कवि के मन में पुरानी यादें आते हैं, जिसे वह आत्मकथा के रूप में लिखते हैं। वह आत्मकथांश तैयार करें।

रेलवे स्टेशन में.....

एक बारे रेलवे स्टेशन पहुँचा। सामान उठाने केलिए कुली को पुकारा.....

****

DO NOT COPY